लखनऊ, मंगलवार
15 अक्टूबर 2019
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 20+4=24

दैनिक जागरण

www.jagran.com

उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

गोमती नगर में राम भवन चौराहे से 115 मीटर एरिया में देखने को मिल रहे पेड़ों पर तरह-तरह के चित्र, पार्षद की ओर से वार्ड को स्वच्छता रैंकिंग में अव्वल लाने का प्रयास

पेड़ों पर चित्रकारी, स्वच्छता से यारी

दुर्गा शर्मा

कैनवास बने पेड़ों पर जागरूकता के रंग खूब सज रहे हैं। गोमती नगर में राम भवन चौराहा और चौराहे से 115 मीटर के दायरे में तरह-तरह के चित्र बने रंग-बिरंगे पेड़ बरबस ही ध्यान खींच लेते हैं। यहां पेड़ों पर चित्रकारी के जरिए स्वच्छता से यारी का संदेश दिया जा रहा है। किसी पेड़ पर योग मुद्रा बनी है तो कहीं बच्चों के पसंदीदा कार्टून चरित्र उन्हें पर्यावरण से दोस्ती करने को कह रहे हैं। दरअसल, पार्षद अरुण तिवारी की ओर से वार्ड (राजीव गांधी द्वितीय) को स्वच्छता रैंकिंग में अव्वल लाने का ये प्रयास है। वह पार्षद संस्तुति राशि से ये काम करवा रहे हैं। इसके लिए नौ लाख का बजट तय किया है।

पार्षद अरुण तिवारी बताते हैं कि गत वर्ष राज्य स्तरीय वार्ड स्वच्छता प्रतिस्पर्धा में वार्ड को प्रदेश में तीसरा और लखनऊ में पहला स्थान मिला था। हम वार्ड को अव्वल लाना चाहते हैं। स्वच्छता और हरियाली एक दूसरे के पूरक हैं। पेड़ रहेंगे तो हमारा पर्यावरण भी स्वच्छ और स्वस्थ होगा। नए पेड़ लगाने से भी ज्यादा जरूरी है, मौजूद पेड़ों की जिंदगी बचाना। पेंटिंग के जरिए पेड़ आकर्षक तो बनते ही हैं, इनकी जिंदगी भी बढ़ती है। पेड़ में नीचे की तरफ से डेढ़ फीट छोड़कर कलर लगा रहे हैं। आर्टिस्ट अमित शर्मा और श्रवण शर्मा पेड़ों पर पेंटिंग कर रहे हैं। पेड़ों को पेंट करने के लिए सिर्फ सफेद ही नहीं नीला, लाल या फिर हरा आदि तमाम रंगों का प्रयोग किया है। ये रंग रात में गाड़ियों की लाइट में आसानी से देखे जा सकते हैं, इससे ड्राइवरों को भी सुविधा होती है।

अरुण तिवारी, पार्षद

शिकायत के साथ आ रहे सुझाव

चित्रकारी वाली जगह एक रजिस्टर पर रखा है। इसमें लिखा है-आप बताएंगे, हम बनाएंगे। अलग-अलग एरिया से आने जाने वाले लोग अपने वार्ड में गंदगी की शिकायत भी दर्ज कर रहे हैं। वहीं बहुत से लोग इस प्रयास की सराहना करने के साथ ही कई अन्य चित्र उकेरने का सुझाव भी दे रहे हैं। प्यासा कौआ, सूखे खेत के साथ किसान, प्रेरक कोट जैसे जल की जीवन, स्टॉप सिंगल यूज प्लास्टिक आदि तमाम चित्र बनाने के लिए लोगों रजिस्टर में लिखा है।

पेंट करने से बढ़ता पेड़ों का जीवन

पेड़ों को पेंट करने के पीछे एक मुख्य वजह ये है कि ऐसा करके पेड़ की छाल में पड़ रही दरारों को बंद कर पेड़ के जीवन को बढ़ाया जा सकता है। कई बार पेड़ों के तने में फंगस या कीड़े मकौड़े अपना घर बना लेते हैं। पेंट करने से पेड़ों के तने की टूटने की गुंजाइश कम हो जाती है। पेंट करने के दौरान अगर पेड़ का कोई हिस्सा डैमेज दिखता है तो उसे भी हाईलाइट कर दिया जाता है, ताकि आगे उसका अधिक ख्याल रखा जा सके।

पर्यावरण संरक्षण

हरियाली के साथ लुभा रही कलाकारी...

धरती को हरीतिमा से रंगने वाले पेड़ अब शहर की आभा बढ़ाने के लिए कैनवॉस बने नजर आ रहे हैं। गोमतीनगर में पेडों पर कहीं 'डकटेल' के किरदार राहगीरों को अपनी ओर खींच रहे हैं तो कहीं मोटू-पतलू उन्हें बचपन की शीतल यादों में लेते जा रहे हैं। भावविभोर करने वाले चित्रों को सहेजे वृक्ष कभी कॉमिक्स सा अहसास देते हैं तो किसी पल अद्वितीय कला प्रदर्शनी में लगी कलाकृतियां जान पड़ते हैं • हृदेश चंदेल

शहर के गोमती नगर में पेड़ो पर की जा रही चित्रकारी • जागरण